हादसा

महाराजपुर के डिवाइडर में न रेडियम प्लेट और न लगे हैं संकेतक, नपा की लापरवाही से फिर हुआ हादसा

# महाकाल जा रही तीर्थयात्रियों से भरी बस पलटी

**महाराजपुर/ मंडला।** जिले के महाराजपुर क्षेत्र में नगर पालिका की घोर लापरवाही के चलते एक बार फिर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले से उज्जैन के महाकाल मंदिर जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक मिनीबस गुरुवार देर रात करीब 2.30 बजे डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। गनीमत रही कि किसी भी यात्री को जानलेवा चोट नहीं आई।

जानकारी अनुसार, मिनी बस क्रमांक एमपी 50 जे 0433 में महिलाओं और बच्चों समेत लगभग 25 श्रद्धालु सवार थे। सभी यात्री आमगांव महाराष्ट्र से बाबा महाकाल के दर्शन के लिए निकले थे। महाराजपुर क्षेत्र में गति तेज होने और रात के अंधेरे में डिवाइडर न दिखने के कारण बस सीधे डिवाइडर पर चढ़ गई और असंतुलित होकर पलट गई।

### पुलिस और स्थानीय लोगों ने किया रेस्क्यू, कई घायल

हादसे की सूचना मिलते ही महाराजपुर थाना पुलिस तत्काल दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय नागरिकों की मदद से तत्परता दिखाते हुए घायलों को बस से बाहर निकाला और एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल भिजवाया। दुर्घटना में मुख्य रूप से पुरना बाई केवट 65 वर्ष का हाथ टूट गया है। वहीं संध्या बाई चौहान 50 वर्ष, निवासी आमगांव खुर्शीपार, महाराष्ट्र, योगराज और अन्य यात्रियों को चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद मामूली रूप से घायल यात्रियों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

### धर्मशाला में की गई ठहरने व भोजन की व्यवस्था

हादसे का शिकार हुए श्रद्धालुओं को अधिक गंभीर चोटें नहीं होने के कारण उनके आगे के सफर और आराम के लिए प्रशासन व स्थानीय स्तर पर संगम स्थित धर्मशाला में रुकवाया गया है। यहाँ सभी यात्रियों के लिए ठहरने और भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। वहीं दुर्घटनाग्रस्त मिनीबस को क्रेन की मदद से सड़क से हटाकर महाराजपुर थाना परिसर में खड़ा करा दिया गया है और पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

### नपा सीएमओ की लापरवाही पर फूटा जनता का गुस्सा

इस हादसे के बाद स्थानीय नागरिकों में नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों और राहगीरों का आरोप है कि महाराजपुर रोड पर बना यह डिवाइडर लंबे समय से हादसों को न्योता दे रहा है। डिवाइडर के आसपास न तो पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था है और न ही कोई चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर या रेडियम प्लेट लगाई गई है। रात के अंधेरे में वाहन चालकों को यह डिवाइडर दिखाई नहीं देता। इसके बावजूद बेपरवाह नपा सीएमओ द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि यहाँ तत्काल सड़क सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं।

# 53 लीटर अवैध शराब के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस ने नाकाम की शराब तस्करी, 27 हजार की देशी-विदेशी शराब जब्त

**मंडला।** जिले में अवैध शराब के क्रय, विक्रय और परिवहन के खिलाफ पुलिस ने एक बार फिर सख्त कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है।

पुलिस को सटीक मुखबिर से सूचना मिली थी कि ज्ञानदीप स्कूल के पास दो व्यक्ति अवैध रूप से शराब का परिवहन और उसे बेचने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने बिना वक्त गंवाए तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया और मौके पर पहुंचकर संदिग्धों को चारों तरफ से घेर लिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई के दौरान मौके से दो आरोपियों को दबोचा गया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 53 लीटर देशी और विदेशी शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 27 हजार रूपए आंकी गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दोनों आरोपी पिता, पुत्र है। जिसमें सीताराम विश्वकर्मा पिता टेकराम विश्वकर्मा, 62 वर्ष और राहुल विश्वकर्मा पिता सीताराम विश्वकर्मा, 22 वर्ष है। दोनों आरोपी रानी अवंती बाई वार्ड, थाना कोतवाली, मंडला के निवासी हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

### इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस सफल और प्रभावी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शफीक खान, उप निरीक्षक भुनेश्वर वामनकर, प्रधान आरक्षक अशोक मार्को, संतलाल, कमलेश्वरी, मोहन, तथा आरक्षक प्रियांश, रमेश, राजकुमार, हनु मार्को और धीरेंद्र तेकाम सहित अन्य थाना स्टाफ की मुख्य और सराहनीय भूमिका रही।

# ग्रामीणों को दी बाल विवाह व पॉक्सो एक्ट की जानकारी

न्यायिक मजिस्ट्रेट ने ग्रामीणों को बताए उनके अधिकार

**निवास।** राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं तहसील विधिक सेवा समिति निवास के तत्वावधान में ग्राम पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र आमाडोंगरी में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री पदमिनी सिंह ने की। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और शासकीय योजनाओं की जानकारी देना था।

शिविर को संबोधित करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट पदमिनी सिंह ने राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और नि:शुल्क विधिक सहायता व सलाह के नियमों को विस्तार से समझाया। उन्होंने ने मोबाइल से होने वाले मानसिक व शारीरिक दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए सभी को मोबाइल से दूरी बनाए रखने और इसका कम से कम उपयोग करने की व्यावहारिक सलाह दी।

**इनकी रही उपस्थिति**- ग्रामीणों को कानून के प्रति जागरूक करने वाले इस विशेष शिविर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरिता रजक, सहायिका किरण रजक, विधिक सेवा समिति से किरण विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण जन और महिलाएं उपस्थित रहीं।

# 50 साल पुराने तालाब के नाम पर शासकीय राशि की खेली होली

समाजसेवियों और ग्रामीणों ने की नए सिरे से निर्माण की मांग

**नारायणगंज/बबलिया।** विकास खंड नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम मुडढा झीला में नवीन अमृत सरोवर तालाब के निर्माण कार्य में तकनीकी प्राक्कलन को ताक पर रखकर घोर लापरवाही बरतने का मामला प्रकाश में आया है। ग्रामीणों और स्थानीय समाजसेवियों ने जब मौके पर पहुंचकर मुआयना किया, तो निर्माण कार्य में भारी अनियमितताएं और गुणवत्ताहीनता उजागर हुई। इस मामले को लेकर अब क्षेत्र के नागरिकों ने जिला प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच और तालाब के नए सिरे से सुदृढ़ीकरण की मांग की है।

बताया गया कि मौका मुआयना करने पहुंचे सरपंच रूप सिंह पंद्राम, समाजसेवी रामलाल कुलस्ते, रामेश्वर वरकड़े, धर्म कुलस्ते, प्रमोद यादव, ओमकार यादव, बाबूलाल यादव और शिक्षक हरि बरकडे सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि इस स्थान पर लगभग 50 वर्ष पूर्व एक पुराना तालाब था, जिसे अब नवीन अमृत सरोवर का रूप दिया जा रहा था।

तकनीकी एस्टीमेट के अनुसार तालाब की नींव को लगभग 3 मीटर चौड़ी और 3 मीटर गहरी खोदकर उसमें काली मिट्टी व पानी डालकर लौंदे (क्ले कोर) बनाने थे और इंजन व रोलर से दबाकर उसके ऊपर मिट्टी-मुर्रम डालनी थी। इसके विपरीत जिम्मेदारों ने पुरानी मेढ़ पर ही थोड़ी मिट्टी-मुर्रम डालकर ऊपर से सिर्फ ट्रैक्टर चला दिया। बताया गया कि निर्माण स्थल पर पारदर्शिता को पूरी तरह खत्म करते हुए कोई भी आधिकारिक सूचना पटल या बोर्ड नहीं लगाया गया है, जिससे कार्य की लागत और तकनीकी विवरण गुप्त रहे। तालाब के अंदर जमी पुरानी मिट्टी की साफ-सफाई और गहरीकरण का कार्य नाममात्र का भी नहीं किया गया है। एस्टीमेट के आधार पर तालाब की वास्तविक लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई का ध्यान नहीं रखा गया है, जिससे यह पहली बारिश में ही ढहने की कगार पर है।

**वन्यजीवों और कई गांवों के निस्तार पर संकट**-ग्रामीणों ने बताया कि यह तालाब केवल मुडढा झीला ही नहीं, बल्कि आसपास के ग्राम धनगांव, तरवानी, बबलिया और देवरी कला के ग्रामीणों व उनके मवेशियों के पानी का मुख्य जरिया है। साथ ही वनांचल क्षेत्र होने के कारण यहाँ वन्यजीवों और पशु-पक्षियों के लिए भी पानी का यही एकमात्र सुगम साधन था।

**पुनर्निर्माण और कार्रवाई की मांग**- क्षेत्र के समस्त समाजसेवियों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन व वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए मांग की है कि इस गुणवत्ताविहीन कार्य की जांच कराकर बाकी बचा निर्माण कार्य, अविलंब एस्टीमेट के अनुसार पुन: कराई जाए, जिससे आगामी वर्षाकाल में विधिवत जलभराव हो सके और क्षेत्र की जनता को इसका वास्तविक लाभ मिल सके।

### 26 तक जिले में मनाया जाएगा नशा मुक्त भारत सप्ताह

**मंडला।** सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार जिले में 26 जून तक नशा मुक्त भारत सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा सभी संबंधित विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, नगरीय निकायों एवं सामाजिक संगठनों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश अनुसार 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर जिलेभर में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

# जनपद शिक्षा केंद्र में नामांकन और बुनियादी सुविधाओं की गहन समीक्षा

अपार आईडी शत-प्रतिशत बनाने के दिए सख्त निर्देश

**बीजाडांडी।** विकासखंड के अंतर्गत शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्कूल चले हम अभियान के उद्देश्यों को समय सीमा में पूरा करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कवायद तेज हो गई है। इसी सिलसिले में 18 जून को जनपद शिक्षा केंद्र बीजाडांडी में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला शिक्षा केंद्र से विशेष रूप से जिला नोडल अधिकारी केके उपाध्याय उपस्थित हुए। उन्होंने विकासखंड के शैक्षणिक और तकनीकी अमले के साथ स्कूल चले हम अभियान के द्वितीय चरण की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

**100 प्रतिशत अपार आईडी बनाने का लक्ष्य**-बैठक में राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया गया। जिला नोडल अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकासखंड के सभी स्कूली बच्चों की अपार आईडी का निर्माण शत-प्रतिशत कराना सुनिश्चित किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

**नामांकन बढ़ाने और ड्रॉप बॉक्स कम करने पर रणनीति**- सरकारी स्कूलों में बच्चों की दर्ज संख्या बढ़ाने और बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों को वापस मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष रणनीति पर चर्चा की गई। जिसमें प्राथमिक शालाओं की कक्षा 1 में नामांकन बढ़ाने के लिए महिला बाल विकास विभाग और स्थानीय आंगनवाड़ियों से निरंतर संपर्क व समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया गया। ड्रॉपबॉक्स में दिख रही बच्चों की संख्या को जल्द से जल्द कम करने के लिए जनशिक्षकों को जमीनी स्तर पर कार्ययोजना बनाकर कार्य में गति लाने के निर्देश दिए गए।

**बुनियादी सुविधाओं और यूडाइस प्रोग्रेशन की समीक्षा**- शैक्षणिक कार्यों के साथ-साथ स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल एंट्रीज पर भी विस्तार से बात की गई। बैठक में प्रमुख रूप से यूडाइस पोर्टल पर बच्चों का प्रोग्रेशन और ड्रॉपबॉक्स प्रबंधन। स्कूलों में पेयजल की उपलब्धता और बालिकाओं के लिए क्रियाशील शौचालयों की स्थिति। समय पर पाठ्यपुस्तक वितरण सुनिश्चित करना। क्षेत्र के जीर्ण-शीर्ण स्कूल भवनों की पहचान और उनके सुधार कार्य। निरीक्षण के दौरान मॉनिटरिंग और जियो-टैग फोटो अपलोड करने की प्रक्रिया की समीक्षा की गई।

**बैठक में ये रहे उपस्थित**- आयोजित समीक्षा बैठक में विकासखंड एकेडमिक समन्वयक, समस्त जनशिक्षक, मोबाइल स्रोत सलाहकार, सब इंजीनियर और जनपद शिक्षा केंद्र कार्यालय के सभी कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे। नोडल अधिकारी ने सभी को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया।

### मतदाता सूची में दावा-आपत्ति अवधि 25 तक बढ़ी

**मंडला।** मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायत एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के द्वितीय चरण के पुनरीक्षण कार्य अंतर्गत दावा-आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पूर्व में यह अवधि 15 जून निर्धारित थी, जिसे संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब 25 जून को अपराह्न 3 बजे तक बढ़ाया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी, मंडला ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों की वार्डवार मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने, नाम हटाने अथवा किसी प्रकार का संशोधन कराने के लिए निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करें।

# अधिकमास में 1587 श्रद्धालुओं ने लगाई मां नर्मदा की परिक्रमा

आयोजन समिति का नया प्रयास सफल, कन्या पूजन और भंडारे के साथ पूर्णाहुति

**मंडला।** महिष्मति नगरी मंडला में पूरे पुरुषोत्तम मास (अधिकमास) के दौरान श्रद्धा और भक्ति का केंद्र रही माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी पंचकोशी परिक्रमा का सोमवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ समापन हो गया। 17 मई से शुरू हुआ यह पावन पुरुषोत्तम मास 15 जून को संपन्न हुआ। इस पूरे महीने महिष्मति माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति के विशेष और नए प्रयासों के चलते धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रही, जिसमें स्थानीय नागरिकों सहित देश-प्रदेश के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया।

**आंकड़ों ने बनाया रिकॉर्ड**- आयोजन समिति के वरिष्ठ मार्गदर्शकों नीलू महाराज, सुधीर कांसकार और रामायण दुबे के महत्वपूर्ण व सुगम सुझावों के आधार पर इस पंचकोशी यात्रा का रूट तय किया गया था, जिससे श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। पूरे अधिकमास में कुल 1587 श्रद्धालुओं ने पंचकोशी परिक्रमा पूर्ण कर पुण्य लाभ कमाया। इस यात्रा की सबसे खास बात यह रही कि इसमें स्थानीय भक्तों के अलावा अन्य राज्यों से 326 और मध्य प्रदेश के अन्य जिलों से आए 648 श्रद्धालु शामिल हुए। बाहरी राज्यों में मुख्य रूप से महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़ और दिल्ली के भक्त माँ नर्मदा की भक्ति में सराबोर होने मंडला पहुंचे थे। इस पूरे माह आयोजन समिति के सक्रिय सदस्यों ने अधिक से अधिक परिक्रमा करने के संकल्प को पूरा किया। सक्रिय सदस्यों में एडवोकेट घनश्याम बर्मन ने सर्वाधिक 27 बार पंचकोशी परिक्रमा की। लाला राम चक्रवर्ती ने 24 बार परिक्रमा पूर्ण की। गोकुलधाम निवासी श्रीमती पांडेय माताजी ने 11 बार, श्रीमती पूजा चक्रवर्ती ने 7 बार परिक्रमा की। सेवानिवृत्त शिक्षक संतोष पटेल एवं शिक्षक भरत पटेल ने 5-5 बार तथा श्याम श्रीवास ने 3 बार माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी पंचकोशी परिक्रमा पूर्ण कर अनूठी मिसाल पेश की।

**बालभोग, कन्या भोजन और विशाल प्रसादी वितरण**- परिक्रमा के दौरान प्रतिदिन तट परिवर्तन के बाद आनंद पांडे के परिवार एवं अन्य भक्तों के सहयोग से श्रद्धालुओं के लिए बालभोग की उत्तम व्यवस्था की गई। पुरुषोत्तम मास के समापन अवसर पर सोमवार को भी नासिक, सिवनी, छिंदवाड़ा और स्थानीय भक्तों को प्रसादी का वितरण किया गया।

उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का अभिनंदन

# नगर पालिका अध्यक्ष ने छात्रों को बताए सफलता के सूत्र

**मंडला।** शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर कक्षा नवमी के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक वंदन कर आत्मीय स्वागत किया गया। प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को कक्षा में प्रवेश दिलाते हुए उन्हें नवीन सत्र की पाठ्यपुस्तकें नि:शुल्क वितरित की गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने विद्यार्थियों को विद्यालय की गरिमा के अनुरूप अध्ययन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने सफलता के विभिन्न सूत्र साझा करते हुए कहा कि विद्यार्थी केवल नौकरी प्राप्त करने तक ही अपने सपनों को सीमित न रखें, बल्कि स्टार्टअप और स्वरोजगार के क्षेत्र में भी उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाकर सफलता हासिल कर सकते हैं।

विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट शैक्षणिक परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता संघर्ष और निरंतर प्रयासों से प्राप्त होती है, इसलिए विद्यार्थियों को अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर नई चुनौतियों का सामना करना चाहिए।

# आंगनवाड़ी केंद्रों में धूमधाम से मनाया गया प्रवेश उत्सव

**मंडला।** ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद 16 जून से जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की चहल-पहल और रौनक लौट आई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आओ मिलकर उत्सव मनाएं, बच्चों को आंगनवाड़ी लाएं संदेश के साथ जिलेभर में आंगनवाड़ी प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में शिक्षा एवं पोषण के प्रति रुचि विकसित करना तथा अभिभावकों को आंगनवाड़ी सेवाओं से जोड़ना रहा।

प्रवेश उत्सव के दौरान 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का तिलक लगाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। केंद्रों को आकर्षक रूप से सजाया गया था, जिससे बच्चों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों को केंद्र के वातावरण से परिचित कराने के लिए ईसीसीई (प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा) के अंतर्गत विभिन्न खेल आधारित एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में अभिभावक भी शामिल हुए। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सर्वांगीण विकास में आंगनवाड़ी केंद्रों की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। अभिभावकों को 'पढ़ाई भी, पोषण भी' अभियान के बारे में जागरूक करते हुए बताया गया कि प्रारंभिक शिक्षा और संतुलित पोषण बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं।

प्रेरणा

सुपरफूड की खेती से कृषि सखी बनीं 125 किसानों की मार्गदर्शक

# प्राकृतिक कृषि अपनाकर गीता तेकाम ने कमाया 3 लाख से अधिक का मुनाफा

**बीजाडांडी/मंडला।** ग्रामीण भारत में कृषि को केवल पेट भरने या जीविकोपार्जन का साधन मानने की सोच अब तेजी से बदल रही है। आज के दौर में ग्रामीण महिलाएं कृषि को एक घाटे के सौदे से उबारकर इसे मुनाफे वाले व्यवसाय के रूप में स्थापित कर रही हैं। मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य जिले के विकासखंड बीजाडांडी अंतर्गत ग्राम लावर मुड़िया की निवासी गीता तेकाम ऐसी ही एक प्रगतिशील और प्रेरणादायक महिला कृषक हैं। उन्होंने आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों और पारंपरिक प्राकृतिक खेती का ऐसा सटीक तालमेल बैठाया है, जिसने न केवल उनकी अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र के किसानों के लिए समृद्धि का एक नया रास्ता खोल दिया है।

जानकारी अनुसार स्नातकोत्तर (एमए) तक शिक्षित गीता तेकाम के पास अपनी पढ़ाई के दम पर शहरों में रोजगार और नौकरी पाने के कई आसान विकल्प मौजूद थे। लेकिन उन्होंने कुछ अलग करने की ठानी और कृषि को ही अपने जीवन का मुख्य लक्ष्य बनाया।

**मिला विभागीय मार्गदर्शन और तकनीकी सहयोग**-गीता तेकाम की इस अद्वितीय सफलता के पीछे कृषि विभाग तथा आत्मा परियोजना का एक महत्वपूर्ण और मार्गदर्शक योगदान रहा है। इस सक्रिय भागीदारी के माध्यम से उन्होंने जैविक खेती, उन्नत बीजों का वैज्ञानिक चयन, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन तथा फसलों को बीमारियों से बचाने के लिए जैविक कीट नियंत्रण जैसी आधुनिक तकनीकों को गहराई से सीखा।

**सुपरफूड की खेती और फसल विविधिकरण से बढ़ी आय**-गीता तेकाम ने लीक से हटकर केवल पारंपरिक फसलों जैसे धान या गेहूं तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि बाजार की आधुनिक मांग को भांपते हुए उन्होंने चिया सीड और किनोवा जैसी उच्च मूल्य वाली सुपरफूड फसलों की खेती की शुरुआत की। उन्होंने महंगे रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर अपनी निर्भरता को पूरी तरह खत्म कर दिया। इसी का परिणाम है कि उनकी खेती अब अधिक टिकाऊ और अत्यधिक लाभकारी बन चुकी है।